Regarding need to declare Mangarh Dham as National Memorial-Laid

डॉ. मन्ना लाल रावत (उदयपुर) : स्वाधीनता आंदोलन के दौरान बीसवीं सदी के आरंभ में संत गोविंद गुरु जी के नेतृत्व में राजस्थान, गुजरात व म.प्र के भीलों ने मानगढ़ धाम आन्दोलन किया । सन् 1913 में अंग्रेजों द्वारा तोपों एवं गोलियों से भूनकर 1507 सनातनी भील भक्तों को भून डाला तथा गोविंद गुरु जी को गिरफ्तार कर आजीवन कारावास दिया गया । इस आंदोलन में भारत के स्व के संपूर्ण राष्ट्रवादी तत्व एवं हमारी ज्ञान परम्परा की युग सेवा के मौलिक तत्व रहे हैं । भगवान बिरसा मुंडा की शहादत के 13 वर्ष उपरांत हुए इस क्रांति के शहादत स्थल पर माननीय प्रधानमंत्री जी भी पधारे हैं एवं यहां राष्ट्रीय स्मारक बनाने के भाव व्यक्त किए है । आजादी के अमृत कालखंड में महाराष्ट्र सहित चार राज्यों के आदिवासियों के सामाजिक समरसता पूर्ण बलिदान को चिरस्थायी करने के लिए मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक बनाए जाने हेतु भावपूर्ण आग्रह है ।